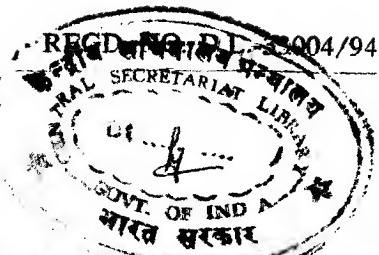


राजस्त्री सं. डी.एल.-33004/94



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 416] नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 23, 1994/भाद्र 1, 1916
No. 416] NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 23, 1994/BHADRA 1, 1916

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1994

का.ग्रा. 606(अ).—बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1984 (1984 का 51) की (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 36 में यह उपबंध है कि कोई भी व्यक्ति एक से अधिक बहुराज्य सहकारी सोसाइटियों के बोर्ड के सभापति या अध्यक्ष का अथवा उप सभापति या उपाध्यक्ष का पद एक ही समय पर धारण करने का पाव नहीं होगा;

और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (जिसे इसमें इसके पश्चात् भा.स.स. सं. कहा गया है) के केन्द्रीय सरकार को यह अभ्यावेदन किया है कि 3 फरवरी, 1994 को

मा.रा.स.स. के समाप्ति को भारतीय राष्ट्रीय सहकारी बैंक के (जिसे इसमें इसके पश्चात् भा.रा.स.बैं. कहा गया है) अध्यक्ष के रूप में भी निर्वाचित किया गया है। आगे यह अन्यावेदन किया गया है कि भा.रा.स.स. ने भा.रा.स.बैं. का संपरिवर्तन किया है जो अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है और भा.रा.स.स. से के समाप्ति, शेयरपूँजी आधार को वृद्धि करने और बैंककारी कारबाहर के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से अनुज्ञित अभिप्राप्त करने में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

और भा.रा.स.बैं. का निदेशक बोर्ड भा.रा.स.स. के समाप्ति के उसके अध्यक्ष के रूप में सहयोजन को उपयोगी मानता है;

और ऊपर बर्णित कारणों से और आरंभिक प्रक्रमों में भा.रा.स.बैं. के निबांध विकास को सुकर बनाने के लिए यह समीचीन समझा गया है कि भा.रा.स.स. के समाप्ति को एक ही समय में भा.रा.स. बैंक के अध्यक्ष का पद धारण करने के लिए अनुज्ञात किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 99 को उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भा.रा.स.स. और भा.रा.स.बैंक को उक्त अधिनियम की धारा 36 के उपबंधों से छूट देतो है जिससे कि भा.रा.स.स. का समाप्ति, अध्यक्ष के रूप में अपने निर्वाचन की तारीख से एकवर्ष की अवधि के लिए साथ-साथ अध्यक्ष, भा.रा.स. बैंक का पद धारण करने में समर्थ हो सके।

[सं. आर.—11017/7/94-एल. एण्ड एम]

भगत सिंह, संयुक्त सचिव

और

रजिस्ट्रार, केन्द्रीय सहकारी सोसाइटी।

MINISTRY OF AGRICULTURE (Department of Agriculture & Cooperation)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd August, 1994

S.O. 606(E).—Whereas section 36 of the Multi-State Cooperative Societies Act, 1984 (51 of 1984) (hereinafter referred as the Act) provides that no person shall be eligible to hold, at the same time, office of President or Chairman or Vice President or Vice Chairman on the Board of more than one multi-State cooperative society;

And whereas the National Cooperative Union of India (hereinafter referred as NCUI) has represented to the Central Government that the President of

NCUI has also been elected as Chairman of National Cooperative Bank of India (hereinafter referred to as NCBI) on the 3rd February, 1994. It has been further represented that the NCUI promoted NCBI which is still in its infancy and the President of NCUI may play an active role in augmenting the share capital base and obtaining licence from Reserve Bank of India for Banking business;

And whereas the Board of Directors of NCBI considers useful the association of the President of NCUI as its chairman;

And whereas for the aforementioned reasons and to facilitate the smooth growth of NCBI in initial stages, it has been considered expedient to allow the President of NCUI to hold the office of Chairman of NCBI at the same time;

Nowt, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 99 of the said Act, the Central Government hereby exempts the NCUI and NCBI from the provisions of section 36 of the said Act so as to enable the President of NCUI to hold office simultaneously as Chairman, NCBI for a period of one year from the date of his election as Chairman.

[No. R-11017/7/94-L&M]
BHAGAT SINGH, Jt. Secy. & Central Registrar of Coop. Societies.

